B.A. (General) Part-III Syllabus
Session 2011-2012

1. हिन्दी (अनिवार्य)

पूर्णांक : 90
आन्तरिक मूल्यांकन : 10
समय : 3 घण्टे

पाठ्य पुस्तक/पाठ्य विषय : 30 अंक

1. हरियाणवी जनपदीय भाषा और साहित्य से सम्बन्धित पुस्तक, निर्मित होकर उपलब्ध करायी जायेगी। यह दायित्व विभागाध्यक्ष को सौंपा गया।
2. प्रयोजन-मूलक हिन्दी की पुस्तक म.द.वि. के विभागाध्यक्ष (हिन्दी) द्वारा निर्मित होकर उपलब्ध करायी जायेगी। इसमें काव्यांग भी समाहित होगा।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं मध्यकाल)

निर्देश :

1. हरियाणवी जनपदीय भाषा और साहित्य पर आधारित पुस्तक से व्याख्या के लिए चार अवतरण पूछे जायेंगे। परीक्षार्थियों को इनमें से दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या सात-सात अंकों की होगी।
2. हरियाणवी जनपदीय भाषा और साहित्य पर आधारित पाठ्य-पुस्तक में से किन्हीं दो रचनाकारों का साहित्यिक परिचय पूछा जायेगा। जिनमें से परीक्षार्थियों को एक का परिचय लिखना होगा। यह प्रश्न आठ अंकों का होगा।
3. पाठ्य-पुस्तक की 'अनुशीलनी' में से निर्धारित प्रश्नों में से कोई दो प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से एक का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न आठ अंकों का होगा।
4. प्रयोजन-मूलक हिन्दी और हिन्दी भाषा पर आधारित पुस्तक से चार प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न दस-दस अंकों के होंगे।
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं मध्ध्यकाल)। इसमें से चार प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न आठ-आठ अंकों के होंगे। हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं मध्यकाल) का पाठ्य-विषय :
   (1) हिन्दी साहित्य का इतिहास का काल-विभाजन, (2) आदिकाल का नामकरण, (3) आदिकाल की परिस्थितियां, (4) आदिकाल की प्रवृत्तियां, (5) भक्तिकालीन प्रवृत्तियां, (6) संत-काव्यधारा की विशेषताएं, (7) प्रेमाश्रयी काव्यधारा की विशेषताएं, (8) रामकाव्यधारा की विशेषताएं, (9) कृष्णकाव्यधारा की विशेषताएं, (10) भक्तिकाल : स्वर्ण युग, (11) रीतिकाल की परिस्थितियां, (12) रीतिकाल का नामकरण, (13) रीतिकाल की विशेषताएं, (14) रीतिमुक्त काव्य की विशेषताएं।

6. निर्धारित समग्र पाठ्य-पुस्तक से छः लघुत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे। जिनमें से परीक्षार्थियों को तीन प्रश्नों के उत्तर (250 शब्दों में) देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न पांच अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 15 अंकों का होगा।
7. काव्यांग से रस (विविध रस भेद और अलंकार) अनुप्रास, श्लेष, यमक, वीप्सा, पुरुक्ति, प्रकाश, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिश्योक्ति, मानवीकरण निर्धारित हैं। इनमें दो रसों का और दो अलंकारों के उदाहरण सहित लक्षण पूछे जायेंगे। परीक्षार्थियों को एक रस और एक अलंकार के सौदाहरण के लक्षण लिखने होंगे। यह प्रश्न चार जमा साढ़े-चार - 9 अंकों का होगा।
8. पाठ्यक्रम में निर्धारित 'हरियाणवी लोकधारा' नामक पुस्तक के पृष्ठ संख्या 109 से 120 (हरियाणवी लोकगीत) तथा पृष्ठ संख्या 121 से 149 तक (हरियाणवी लोककथा) नामक पाठ छात्रों के लिए केवल पठनीय रहेंगे । वार्षिक परीक्षा में इनमें से कोई प्रश्न नहीं पूछा जाएगा ।
9. व्याख्या के लिए पद्यांश सभी निर्धारित 27 कवियों में से, कही से भी पूछे जा सकते हैं ।
10. साहित्यिक परिचय तथा प्रश्नोत्तर केवल निम्नलिखित 11 कवियों में से ही पूछे जाएंगे :-

    1. गरीबदास 2. नितानंद 3. अहमदबक्श थानेसरी 4. दीपचन्द 5. बाजेभगत 6. लख्मीचन्द 7. मांगेराम 8. रामकिशन व्यास 9. फौजी मेहरसिंह 10. जगदीशचन्द्र वत्स 11. हरिकेश पटवारी ।